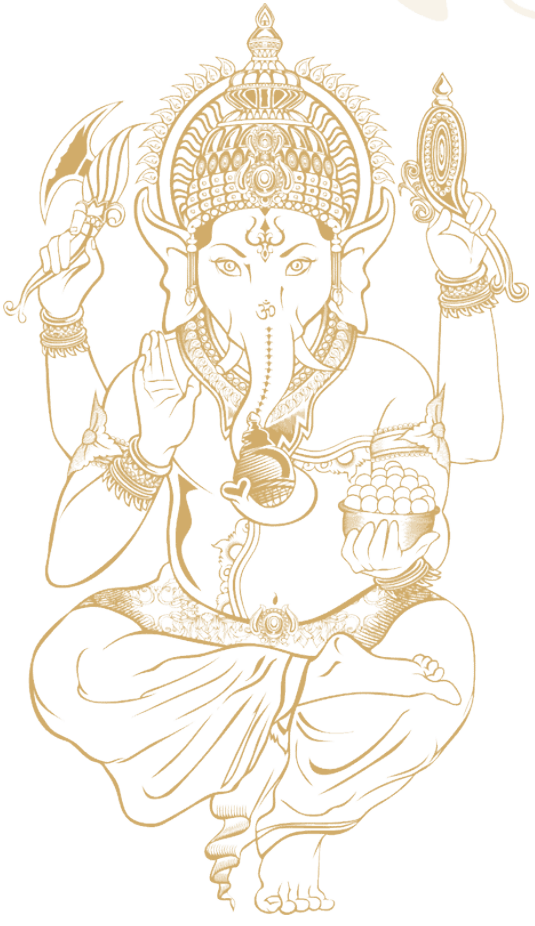

Mr. Amisha

05 Aug 2002

11:00 AM

Jamshedpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119445309

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/08/2002**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:00:00 घंटे**
इष्ट	14:15:20 घटी
स्थान	**Jamshedpur**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	22:47:00 उत्तर
रेखांश	86:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:14:48 घंटे
वेलान्तर	-00:06:01 घंटे
साम्पातिक काल	08:09:12 घंटे
सूर्योदय	05:17:52 घंटे
सूर्यास्त	18:24:08 घंटे
दिनमान	13:06:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	18:44:55 कर्क
लग्न के अंश	05:39:29 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्याघात
करण	कौलव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	का-कमला
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:39:29	325:27:56	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	18:44:55	00:57:29	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	02:31:06	13:08:52	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
मंगल		अ	कर्क	20:34:34	00:38:19	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध			सिंह	04:02:24	01:46:09	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			कर्क	06:53:12	00:13:14	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	03:51:18	01:03:10	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	नीच राशि
शनि			मिथु	01:24:59	00:06:07	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	22:31:59	00:01:17	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	22:31:59	00:01:17	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	03:32:55	00:02:17	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	15:36:28	00:01:38	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:07:47	00:00:39	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	06:13:21	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:20

लग्न-चलित

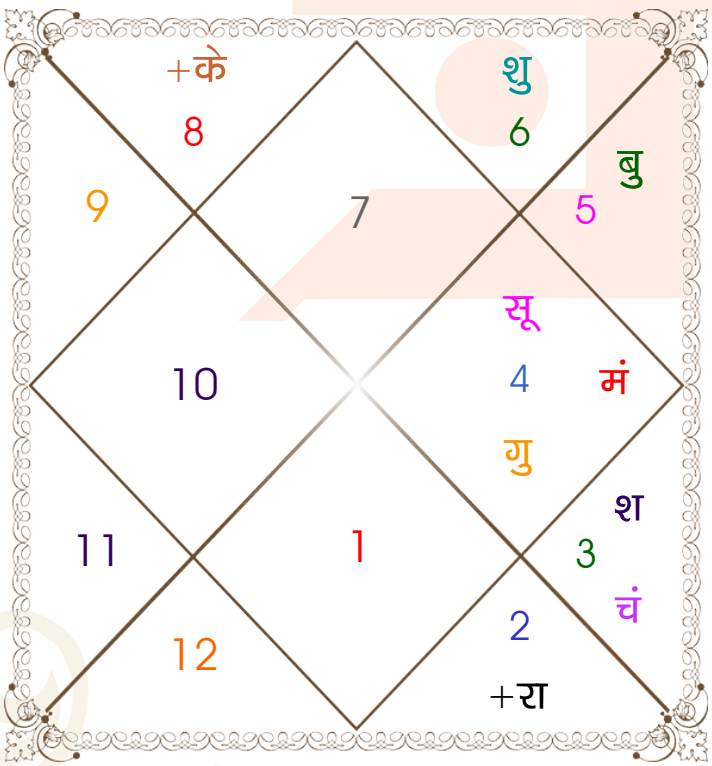

चन्द्र कुंडली

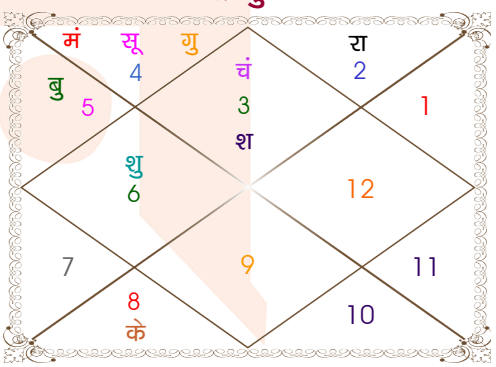

नवमांश कुंडली

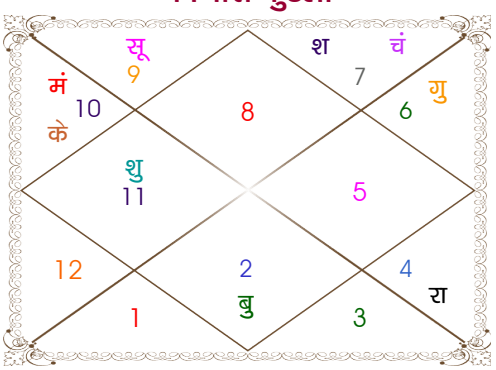

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 2 मास 4 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
05/08/2002		08/10/2004		09/10/2022		09/10/2038		09/10/2057	
08/10/2004		09/10/2022		09/10/2038		09/10/2057		09/10/2074	
	00/00/0000	राहु	22/06/2007	गुरु	26/11/2024	शनि	12/10/2041	बुध	06/03/2060
	00/00/0000	गुरु	14/11/2009	शनि	09/06/2027	बुध	21/06/2044	केतु	04/03/2061
	00/00/0000	शनि	20/09/2012	बुध	14/09/2029	केतु	31/07/2045	शुक्र	02/01/2064
	00/00/0000	बुध	10/04/2015	केतु	21/08/2030	शुक्र	29/09/2048	सूर्य	08/11/2064
	05/08/2002	केतु	27/04/2016	शुक्र	21/04/2033	सूर्य	11/09/2049	चंद्र	09/04/2066
केतु	02/09/2002	शुक्र	28/04/2019	सूर्य	07/02/2034	चंद्र	13/04/2051	मंगल	06/04/2067
शुक्र	03/11/2003	सूर्य	22/03/2020	चंद्र	09/06/2035	मंगल	21/05/2052	राहु	24/10/2069
सूर्य	09/03/2004	चंद्र	20/09/2021	मंगल	15/05/2036	राहु	28/03/2055	गुरु	30/01/2072
चंद्र	08/10/2004	मंगल	09/10/2022	राहु	09/10/2038	गुरु	09/10/2057	शनि	09/10/2074

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
09/10/2074		09/10/2081		10/10/2101		10/10/2107		10/10/2117	
09/10/2081		10/10/2101		10/10/2107		10/10/2117		00/00/0000	
केतु	07/03/2075	शुक्र	07/02/2085	सूर्य	27/01/2102	चंद्र	10/08/2108	मंगल	08/03/2118
शुक्र	06/05/2076	सूर्य	07/02/2086	चंद्र	29/07/2102	मंगल	11/03/2109	राहु	26/03/2119
सूर्य	11/09/2076	चंद्र	09/10/2087	मंगल	04/12/2102	राहु	09/09/2110	गुरु	01/03/2120
चंद्र	12/04/2077	मंगल	08/12/2088	राहु	28/10/2103	गुरु	09/01/2112	शनि	10/04/2121
मंगल	08/09/2077	राहु	09/12/2091	गुरु	16/08/2104	शनि	10/08/2113	बुध	07/04/2122
राहु	27/09/2078	गुरु	09/08/2094	शनि	29/07/2105	बुध	09/01/2115	केतु	06/08/2122
गुरु	03/09/2079	शनि	09/10/2097	बुध	04/06/2106	केतु	10/08/2115		00/00/0000
शनि	11/10/2080	बुध	10/08/2100	केतु	10/10/2106	शुक्र	10/04/2117		00/00/0000
बुध	09/10/2081	केतु	10/10/2101	शुक्र	10/10/2107	सूर्य	10/10/2117		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 1 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।